

RESSA  
RELIVE YOUR CULTURE  
रेसा

सूरमा

"काजल लागे किरकरो, और सूरमा सहा ना जाए ।  
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"

RESSA  
RELIVE YOUR CULTURE  
रेसा

सूरमा

"काजल लागे किरकरो, और सूरमा सहा ना जाए ।  
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"





RESSA  
रसा  
काकल लागे किरकरी और सुरमा सदा ना जाए ।  
जिन जिन में तू बसे, दुखा कोन समाये







सूरमा /101



सूरमा /102



सूरमा /103



सूरमा /104



सूरमा /105



सूरमा /106

RESSA  
रेसा



सूरमा /107



सूरमा /108

सूरमा

वो जोर कोई सूरमा लगन है कहीं का  
लौकर न छुटा पाया तो सम्झौत छुटा ही





RESSA  
रसा

वो चार कोई सुरमा लगता है कहीं का  
जुकर न सुरा पाया तो शमशेर बुरा ली



सुरगा  
107



RESSA  
रेसा

चो चोर को रें सुरमा लगता है कहीं का  
जिस् न सुरा पाया तो थमबीर चुरा ली

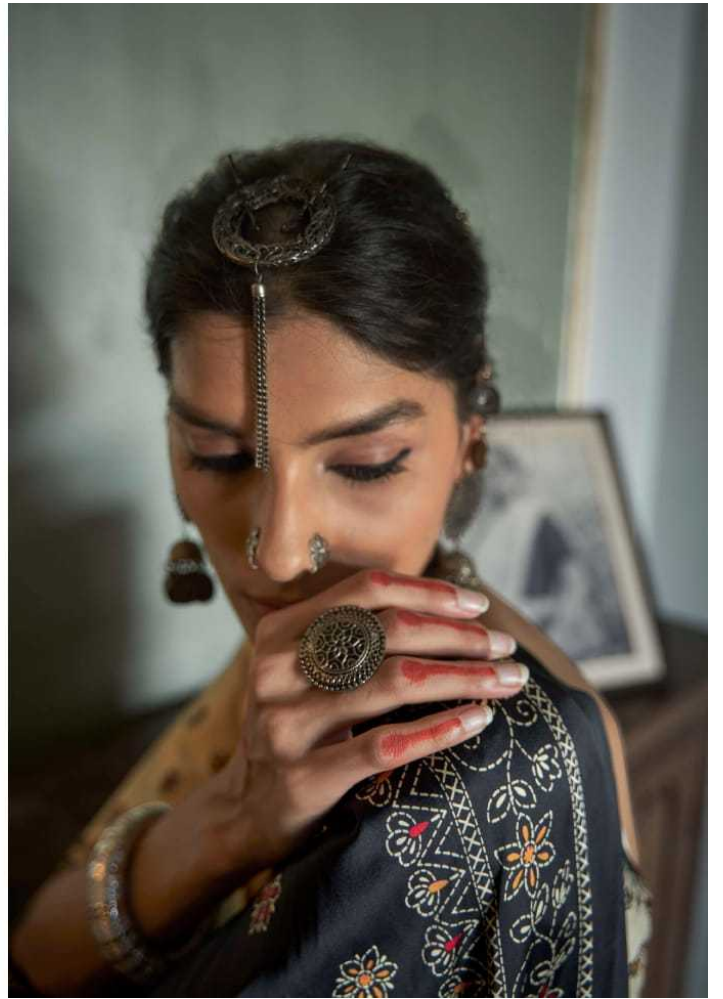








RESSA  
रसा  
"आजल लागे किरकरी, और सुरमा सहा ना जाए  
किन दिनों में तू बसे, दूजा कौन समझे"





RESSA  
रेसा

सूरमा

वो चोर कोई सूरमा लगता है कहीं का  
ज़ेवर न चुरा पाया तो थमशीर चुरा ली

